



# ललित नारायण मिथिला विश्वविद्यालय

कामेश्वरनगर, दरभंगा-846004

पत्रांक: .....

दिनांक .....

सेवा में,

1. विभागाध्यक्ष,  
स्नातकोत्तर मनोविज्ञान विभाग,  
ल० ना० मिथिला विश्वविद्यालय, दरभंगा।
2. सभी प्रधानाचार्य / प्रधानाचार्या,  
(स्नातकोत्तर अध्यापन वाले महाविद्यालय),  
ल० ना० मिथिला विश्वविद्यालय, दरभंगा।

**विषय:**—स्नातकोत्तर प्रथम सेमेस्टर सत्र— (2021–23) में मनोविज्ञान विषय में नामांकन के संबंध में।

महाशय / महाशया,

उपरोक्त विषयक संदर्भ में सूचित करना है कि स्नातकोत्तर प्रथम सेमेस्टर सत्र— 2021–23 के मनोविज्ञान विषय में जो छात्र/छात्रा प्रथम, द्वितीय एवं तृतीय सूची में नाम आने के बाद भी किसी कारण—वश नामांकन से वंचित रह गये हो या जिनका किसी भी सूची में चयन नहीं हुआ हो वे अपना दिये गये स्नातकोत्तर विभाग/महाविद्यालय च्वाईस के आधार पर रिक्त सीट के विरुद्ध दिनांक— 06.07.2022 तक नामांकन ले सकते हैं।

उक्त विषय के छात्र/छात्राओं को चयन—पत्र (Selection letter) की आवश्यकता नहीं है परंतु ऐसे छात्र/छात्रा के लिये भी नामांकन की अहर्ता वही होगी जो पत्रांक— छा०क०— 37/22 दिनांक— 24. 03.2022 के क्रम संख्या— 3 में वर्णित है, जो निम्न है:— (स्नातकोत्तर में नामांकन CBCS Regulation के तहत लिया जाता है। परिनियम के अनुसार स्नातकोत्तर नामांकन के लिये प्रतिष्ठा (Honours) विषय में न्यूनतम 45 प्रतिशत अनुरांगिक (Subsidiary), सामान्य पाठ्यक्रम (Pass Course) एवं संबद्ध विषय (Allied Subject) में न्यूनतम 55 प्रतिशत से कम अंक है तो ऐसे छात्र/छात्रा नामांकन के पात्र नहीं होंगे।)

शेष सारी बातें पत्रांक— छा०क०— 94/22 दिनांक— 29.06.2022 यथावत रहेगी।

विश्वासभाजन,

ह०/—

(डॉ० विजय कुमार यादव)

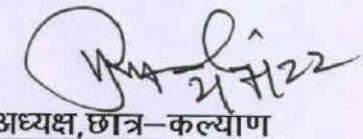
अध्यक्ष, छात्र—कल्याण

दिनांक ०२/०७/२०२२

ज्ञापांक छा०क०— 100/22

प्रतिलिपि प्रेषित:—

1. कुलपति के सचिव / प्रति—कुलपति / परीक्षा नियंत्रक एवं कुलसचिव के निजी सहायक, ल० ना० मिथिला विश्वविद्यालय, दरभंगा को सूचनार्थ।
2. नोडल पदाधिकारी / विकास पदाधिकारी, ल० ना० मि० वि०, दरभंगा से अनुरोध है कि उक्त पत्र विश्वविद्यालय के वेबसाइट पर अपलोड करने की कृपा करें।
3. प्रभारी सहायक, स्नातकोत्तर सामान्य शुल्क संग्रह पटल, ल० ना० मि० वि०, दरभंगा।
4. निदेशक, य०० एम० आई० एस० सेल, ल० ना० मिथिला विश्वविद्यालय, दरभंगा को सूचनार्थ एवं आवश्यक कार्यार्थ।

  
अध्यक्ष, छात्र—कल्याण